

अग्र भारत

नई सोच का अखबार

www.agrabharat.in

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



वर्षः 19 | अंकः 135 | आगरा, बुधवार 04 नवम्बर 2026 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2.00 रू.

चक्रवात मुरासु का कहरः आंध्र प्रदेश के तट पर लैंडफॉल, 9 ट्रेनें और 11 उड़ानें रद्द

अमरावती(ए)। चक्रवात मुरासु ने आंध्र प्रदेश के तट पर नेल्लोर और नरसापुर के बीच ओंगोल के पास सफलतापूर्वक लैंडफॉल कर लिया है। इस दौरान 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली तेज हवाएं और 120 किमी प्रति घंटा तक के झोंकों ने तटीय इलाकों में भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा का सीधा असर परिवहन सेवाओं पर भी पड़ा है। त्योहारी सीजन और यात्रियों की भारी भीड़ के बीच दक्षिण तटीय रेलवे ने एहतियातन 9 ट्रेने और 11 उड़ानों को रद्द कर दिया है।



मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस तूफान के कारण राज्य के कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश हुई, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रकाशम जिले के कोठापटनम में 164.3 मिलीमीटर तक बारिश दर्ज की गई है। निचले इलाकों में जलभराव की आशंका को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमों को तैनात किया गया है और मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है। इस प्राकृतिक आपदा का सीधा असर परिवहन सेवाओं पर भी पड़ा है। त्योहारी सीजन और यात्रियों की भारी भीड़ के बीच दक्षिण तटीय रेलवे ने एहतियातन 9 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। प्रभावित रूटों में विजयवाड़ा, गुडूर, गुंटूर, तेनाली और रेपल्ले शामिल हैं। रद्द की गई प्रमुख ट्रेनों में विजयवाड़ा-गुडूर और गुडूर-विजयवाड़ा पैसेंजर व एक्सप्रेस के साथ-साथ गुंटूर और तेनाली-रेपल्ले के बीच चलने वाली पैसेंजर गाड़ियां शामिल हैं। स्थिति से निपटने के लिए रेलवे ने 24 घंटे सक्रिय रहने वाले वॉर रूम और प्रमुख स्टेशनों पर हेल्प डेस्क बनाए हैं, साथ ही टिकट रिफंड के लिए अतिरिक्त काउंटर खोले गए हैं।

हवाई यातायात भी इस चक्रवात की चपेट में आया है। खराब मौसम और भारी बारिश के कारण चेन्नई एयरपोर्ट से संचालित होने वाली 11 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जिनमें विजयवाड़ा, राजमुंदरी, कडप्पा और तिरुचिरापल्ली जाने-आने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं। एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों को घर से निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस जांचने की सलाह दी है। आंध्र प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है तथा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं।

यूपी, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में आंधी के साथ होगी तेज बारिश

नई दिल्ली(ए)। पहले अर्नब चक्रवात आया भारी तबाही मचाई इसके बाद एक सप्ताह भी नहीं हुआ कि मुरासु ने दस्तक दे दी। इससे आधे से अधिक भारत में बादल छा गए और कहीं कहीं बारिश भी हुई। वैज्ञानिकों ने कहा कि ये मुरासु की वजह से मौसम बार बार बदल रहा है। कभी धूप गर्मी तो कभी ठंड या बादल छाने की स्थिति बन रही है। ऐसे ही बदलते मौसम के बीच उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में आंधी के साथ तेज बारिश की अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक 15 राज्यों में अगले 10 घंटे के अंदर ही तेज आंधी के साथ तूफानी बारिश हो सकती है। इनमें ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेस, कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु भी शामिल हैं। यहां 70 से 80 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा उत्तर भारत के राज्यों में भी तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जाएगी। यूपी-बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पहाड़ी राज्यों में तेज हवाओ के साथ बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में होगी मूसलाधार बारिश

मौसम विभाग ने ओलावृष्टि और पहाड़ों में भूस्कलन का भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, केरल, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेशष तेलंगाना और तमिलनाडु में मध्यम से भारी बारिश का अलर्ट है।मौसम विभाग ने अगले 12 घंटों के दौरान दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका जताई। आईएमडी ने चेतावनी दी कि मंगलवार सुबह तक समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरों के कारण दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के निचले इलाकों में पानी भर सकता है। समुद्र में उठने वाली ये लहरें सामान्य से 1 से 1.5 मीटर तक ऊंची हो सकती हैं। बापटला, कृष्णा और प्रकाशम जिलों के निचले इलाकों में इसका असर सबसे अधिक पड़ने की आशंका है।

उत्तर प्रदेश और बिहार के मौसम का हाल

उत्तर प्रदेश (3 नवंबर, तेज आंधी के साथ बारिश)- मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को कानपुर, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हातरस, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, महाराजगंज, आजमगढ़, बाराबंकी, गोंडा, बहराइच, सोनभद्र, मिर्जापुर, वाराणसी, देवरिया और गोरखपुर में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा 40 से 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। बिहार के जमुई, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, मधेपुरा, कटिहार, अररिया, सुपौल, मुजफ्फरपुर और पश्चिमी चंपारण समेत कई राज्यों में आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

भारतीय नौसेना ने अरब सागर में समुद्री लुटेरों से 20 लोगों को बचाया



मुंबई(ए)। भारतीय नौसेना ने मुंबई से 3000 किलोमीटर से अधिक दूर अरब सागर में एक बड़ा और साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर हथियारबंद समुद्री लुटेरों के कब्जे से मछली पकड़ने वाले जहाज के सभी 20 चालक दल के सदस्यों को सकुशल बचा लिया है। करीब 48 घंटे तक चले इस चुनौतीपूर्ण अभियान में नौसेना के विध्वंसक युद्धपोत आईएनएस कोलकाता ने अहम भूमिका निभाई, जबकि इस संयुक्त कार्रवाई में भारतीय वायुसेना ने भी पूरा सहयोग दिया। समुद्री लुटेरों ने 'अजिनी' नामक इस जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था, जिसे नौसेना ने पूरी मुस्तैदी से घेरकर मुक्त कराया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल संयुक्त अभियान की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय नौसेना ने अत्यधिक समन्वित तरीके से कार्रवाई को अंजाम देकर समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी उच्च परिचालन तत्परता और क्षमता का प्रमाण दिया है। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान भारी हथियारों से लैस कमांडो ने संदिग्ध समुद्री लुटेरों की घेराबंदी की, जिनके कब्जे से हथियारों का एक बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि इस साहसिक कार्रवाई से यह फिर साबित हो गया है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में नागरिकों की जान बचाने, नौवहन सुरक्षा बनाए रखने और क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह अभियान नौसेना के पिछले बड़े अभियानों की तुलना में अधिक दूरी पर अंजाम दिया गया। इससे पहले मार्च 2024 में आईएनएस कोलकाता ने भारतीय तट से लगभग 2600 किलोमीटर दूर एमवी रुएन जहाज को समुद्री लुटेरों से मुक्त कराया था। वर्तमान में भारतीय नौसेना ने समुद्री डकैती और अन्य सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए अरब सागर, अदन की खाड़ी और अफ्रीका के पूर्वी तट पर 10 से अधिक युद्धपोत तैनात कर रखे हैं, जो निरंतर गश्त करते हैं। वर्ष 2008 से लगातार जारी इन अभियानों के माध्यम से भारत सुरक्षित समुद्री मार्गों और एक मुक्त एवं सुरक्षित हिंद महासागर क्षेत्र को बनाए रखने के अपने संकल्प पर पूरी तरह कायम है।

पीएम मोदी के मुकाबले में केवल राहुल गांधीः सीएम उमर



जम्मू(ए)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले विपक्ष का बेहतर नेता लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को माना है। हाल ही में एक पॉडकास्ट इंटरव्यू के दौरान उनके सामने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राहुल गांधी और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल में से किसी एक को चुनने का विकल्प रखा गया था, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी का चयन किया।

उमर अब्दुल्ला ने इसके पीछे मुख्य तर्क यह दिया कि भारत में वर्तमान में केवल दो ही ऐसी राजनीतिक पार्टियां हैं कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी। जिनकी उपस्थिति पूरे देश में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाकी क्षेत्रीय दलों के नेताओं को यह भ्रम होता है कि वे राष्ट्रीय नेता हैं, जबकि उनकी पार्टी का दायरा किसी राज्य या छोटे हिस्से तक ही सीमित होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वे खुद एक राष्ट्रीय नेता नहीं हैं क्योंकि उनकी पार्टी का प्रभाव मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर तक ही है। राहुल गांधी एक अखिल भारतीय राष्ट्रीय पार्टी का हिस्सा हैं, जो उन्हें अन्य क्षेत्रीय नेताओं की तुलना में एक बड़ा राजनीतिक लाभ देता है।

राहुल गांधी की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि वे एक बेहतर इंसान होने के साथ-साथ खुद को तेजी से तैयार कर रहे एक परिपक्व राजनेता भी हैं। उन्होंने राहुल की जनसंपर्क शैली की सराहना करते हुए कहा कि वे लोगों से बेहद गहराई और संवेदनशीलता के साथ मिलते-जुड़ते और बात करते हैं, जिसके लिए कई बार अन्य राजनेताओं के पास समय नहीं होता है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि हाल के समय में राजनीतिक पटल पर राहुल गांधी का ग्राफ काफी तेजी से ऊपर उठा है और अब सरकार भी उन्हें पहले से कहीं अधिक गंभीरता से ले रही है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के बाद उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस पार्टी और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार का गठन किया है। राज्य में इस समय पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली का मुद्दा प्रमुखता से चर्चा में है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन की रणनीतियों में भी कांग्रेस की भूमिका सबसे अहम बनी हुई है।

पुरानी दिल्ली में बनेगा कॉरिडोर, दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट पहुंचना होगा आसान

नई दिल्ली,(ए)। दिल्ली सरकार नेताजी सुभाष मार्ग को नए स्वरूप में विकसित करने की तैयारी कर रही है। सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में प्रस्तावित इस परियोजना का उद्देश्य दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक करीब 3.3 किलोमीटर लंबे मार्ग को व्यवस्थित, सुंदर, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाना है। इसके तहत सड़क के सौंदर्यीकरण के साथ आसपास के ऐतिहासिक स्मारकों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को भी एकीकृत रूप से विकसित किया जाएगा। इंद्रप्रस्थ हेरिटेज रीडेवलपमेंट कॉरपोरेशन (आईवीपीएन) इस प्रोजेक?ट को आगे बढ़ा रहा है। योजना में नेताजी सुभाष मार्ग को केवल ट्रैफिक के लिए इस्तेमाल होने वाला रास्ता बनाने के बजाय ऐसा कॉरिडोर विकसित करने पर जोर दिया गया है, जो दिल्ली के इतिहास, विरासत, वास्तुकला और संस्कृति को आधुनिक शहरी जीवन से जोड़ेगा।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम रेखा ने कहा कि दिल्ली केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि सदियों के इतिहास, गौरवशाली विरासत, की प्रतीक है। पुरानी दिल्ली इस ऐतिहासिक पहचान का अहम केंद्र है, जहां लाल किला, जामा मस्जिद, चांदनी चौक, सुभाष पार्क और कश्मीरी गेट जैसे स्थल शहर की समृद्ध विरासत की कहानी बताते हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष मार्ग का पुनर्विकास राजधानी में आधुनिक शहरी सुविधाओं को ऐतिहासिक पहचान के साथ जोड़ने की दिशा में अहम कदम है।

प्रस्तावित कॉरिडोर को सड़क की उपलब्ध चौड़ाई और मौजूदा परिस्थितियों के आधार पर तीन हिस्सों में बांटा गया है। पहले हिस्से में कश्मीरी गेट से जीपीओ चौक तक का क्षेत्र शामिल है। यह मार्ग का सबसे व्यस्त रहता है, जिसकी चौड़ाई 12 से 24 मीटर के बीच है। दूसरा हिस्सा जीपीओ चौक से बृजमोहन चौक तक होगा। बृज मोहन चौक वह चौराहा है, जहां से जामा मस्जिद की ओर जाने वाला रास्ता निकलता है। इस हिस्से की औसत चौड़ाई 45 मीटर है। तीसरे हिस्से में बृजमोहन चौक से दिल्ली गेट चौराहे तक का क्षेत्र शामिल होगा, जिसकी औसत चौड़ाई 16.8 से 26 मीटर के बीच है। तीनों हिस्सों के विकास में सड़क की वास्तविक चौड़ाई और वहां मौजूद अन्य सुविधाओं को ध्यान में रखा जाएगा। योजना में वाहनों के आवागमन के साथ पैदल यात्रियों और गैर-मोटर चालित परिवहन के लिए भी पर्याप्त जगह उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

रिपोर्ट के मुताबिक फुटपाथ, बस लेन, वाहन लेन, पार्किंग स्थल, पैदल यात्री प्लाजा और साइकिल ट्रैक विकसित किए जाएंगे। सड़क के दोनों ओर आधुनिक सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएंगे और मौजूदा बस स्टॉप को बेहतर सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इन व्यवस्थाओं के लिए लोक निर्माण विभाग की चल रही स्ट्रीटस्केप परियोजना के डिजाइन दिशानिर्देशों को आधार बनाया गया है।

परियोजना की प्रमुख विशेषता नेताजी सुभाष मार्ग के आसपास स्थित ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक महत्व के स्थलों का इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट है। प्रस्तावित कॉरिडोर में लाल किला, जामा मस्जिद, सेंट जेम्स चर्च, कश्मीरी गेट क्षेत्र, चांदनी चौक चौराहा, सुभाष पार्क, हिंदी पार्क, आईजीटी विश्वविद्यालय, अग्रसेन पार्क और सुनहरी मस्जिद जैसे प्रमुख स्थान शामिल हैं। इसके अलावा मार्ग के आसपास के 12 प्रमुख स्थानों और हरित क्षेत्रों को भी एकीकृत करने का प्रस्ताव है। इनमें अग्रसेन पार्क, लोधियन कब्रिस्तान, पुराना रेलवे स्टेशन चौक, लाल किले का हरित क्षेत्र, लाल किले का दशहरा मैदान, चांदनी चौक-लाल किला चौराहा, सुनहरी मस्जिद का बगीचा, सुभाष पार्क, बृज मोहन चौक, दिल्ली गेट चौक, एकता स्थल और हिंदी पार्क शामिल हैं।

अरुणाचल और जम्मू-कश्मीर में सुबह-सुबह कांपी धरती

नई दिल्ली,(ए)। भारत के दो अलग-अलग राज्यों में मंगलवार सुबह और बीती रात भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह है कि दोनों ही जगहों पर किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले में मंगलवार सुबह 6 बजकर 43 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.0 मापी गई, जिसका केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। झटके महसूस होते ही स्थानीय लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

अरुणाचल प्रदेश से पहले सोमवार की रात जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भी धरती कांपी थी। किश्तवाड़ में रात 10 बजकर 56 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.1 दर्ज की गई। अचानक आए इन झटकों के कारण किश्तवाड़ और आसपास के इलाकों में भी लोग डरकर अपने घरों से बाहर आ गए। प्रशासन की टीमों ने दोनों ही प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखी है और फिलहाल पूरी तरह से स्थिति सामान्य है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के कई क्षेत्र भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील माने जाते हैं, विशेषकर हिमालयी क्षेत्र और पूर्वोत्तर भारत। इसकी मुख्य वजह यह है कि भारतीय टेक्टोनिक प्लेट लगातार यूरेशियन प्लेट की ओर बढ़ रही है। इन दोनों विशाल प्लेटों के आपस में टकराने और जमीन के भीतर ऊर्जा के लगातार संचय होने के कारण समय-समय पर ऐसे भूकंपीय झटके आते रहते हैं। जम्मू-कश्मीर जहां हिमालयी भूकंपीय पट्टी के अंतर्गत आता है, वहीं अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर के अत्यधिक संवेदनशील जोन में शामिल है, जिसके कारण यहां अक्सर धरती डोलती रहती है।

अजित पवार के बाद एनसीपी में वर्चस्व की जंग तेज

मुंबई,(ए)। अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में नेतृत्व और राजनीतिक वर्चस्व को लेकर अंदरूनी खींचतान की चर्चाएं तेज हो गई हैं। पार्टी में उनके बेटे और सांसद पार्थ पवार का बढ़ता प्रभाव तथा भविष्य की राजनीतिक रणनीति को लेकर वरिष्ठ नेताओं के बीच असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ, धनंजय मुंडे और समीर भुजबल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में पार्टी अध्यक्ष और महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार तथा पार्थ पवार शामिल नहीं थे। इस बैठक को पार्टी के भीतर शक्ति संतुलन को लेकर चल रही हलचल से जोड़कर देखा जा रहा है।

दरअसल, विगत दिवस सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार ने भी अमित शाह से मुलाकात की थी। उस बैठक में प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल जैसे वरिष्ठ नेता मौजूद नहीं थे। इसके बाद से पार्टी के पुराने नेताओं और नए नेतृत्व के बीच तालमेल को लेकर सवाल उठने लगे थे। सूत्रों के मुताबिक, संगठन में नियुक्तियों और फैसलों में वरिष्ठ नेताओं की भूमिका सीमित होने तथा बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व से सीधे संवाद करने के तरीके को लेकर भी नाराजगी है।

वित्त मंत्रालय की वापसी प्रमुख मांग

एनसीपी की अंदरूनी राजनीति में महाराष्ट्र सरकार के वित्त मंत्रालय का मुद्दा भी अहम है। यह मंत्रालय पहले अजित पवार के पास था। उनके निधन के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता आगामी मंत्रिमंडल फेरबदल में इसे दोबारा एनसीपी को दिए जाने की मांग कर रहे हैं। 25 अक्टूबर को मुंबई स्थित अजित पवार के सरकारी आवास देवगिरी में हुई कोर कमेटी की बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी। बैठक के बाद छगन भुजबल ने कहा था कि दोनों एनसीपी गुटों के विलय पर कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हुई है, लेकिन वित्त मंत्रालय वापस हासिल करने पर सहमति बनी है।

दिल्ली पुलिस के एसीपी मनस्वी वशिष्ठ सस्पेंड, मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन का नेतृत्व करने पर कार्रवाई, कोर्ट स्वतः संज्ञान नहीं लेगी याचिका दाखिल करें



नई दिल्ली,(ए)। दिल्ली पुलिस के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (एसीपी) मनस्वी वशिष्ठ को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई सोमवार को दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर हुए पुलिसकर्मियों के प्रदर्शन के बाद की गई है। प्रदर्शन में करीब 150 पुलिसकर्मी शामिल हुए थे। प्रदर्शन का नेतृत्व एसीपी मनस्वी वशिष्ठ ने किया था। पुलिसकर्मी उनके और शाहदरा थाने के तत्कालीन प्रभारी इंस्पेक्टर अरुण कुमार के तबादले को रद्द कर पुरानी तैनाती बहाल करने की मांग कर रहे थे।

दरअसल, 23 अक्टूबर को शाहदरा थाने में वकील ललित बंसल के साथ हुए विवाद के बाद दोनों पुलिस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया था। इस दौरान वकील के सिर में गंभीर चोट आई थी। इसके बाद जिला अदालत के वकीलों ने एसीपी मनस्वी वशिष्ठ और इंस्पेक्टर अरुण कुमार पर दुर्व्यवहार तथा धमकी देने के आरोप लगाए थे। वकीलों ने दोनों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी थी। तबादले के आदेश के बाद 28 अक्टूबर को वकीलों ने हड़ताल समाप्त कर दी थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारियों के तबादले से नाराज कुछ पुलिसकर्मियों ने सोमवार को प्रदर्शन की तैयारी की थी। इसके लिए दिल्ली पुलिस के विभिन्न व्हाट्सऐप ग्रुपों में संदेश भेजकर पुलिसकर्मियों को मुख्यालय पहुंचने और दोनों अधिकारियों की पुरानी पोस्टिंग बहाल करने की मांग उठाने के लिए कहा गया था। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर जिला डीसीपी और विभिन्न यूनिटों के प्रमुखों को अपने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को मुख्यालय पहुंचने से रोकने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद करीब 150 पुलिसकर्मी वहां पहुंच गए।

मौके पर पहुंचे नई दिल्ली के डीसीपी सचिन शर्मा ने एसीपी वशिष्ठ और अन्य पुलिसकर्मियों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने प्रदर्शन समाप्त कर मुख्यालय के अंदर जाने को कहा, लेकिन पुलिसकर्मी अपनी मांग पर अड़े रहे। बाद में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार से मुलाकात की।

हाईकोर्ट ने याचिका दाखिल करने को कहा

इस बीच, दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को एसीपी मनस्वी वशिष्ठ के वकीलों के खिलाफ कथित धमकी भरे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। वकीलों ने अदालत में आरोप लगाया कि वशिष्ठ ने उनके लिए एके-47 और काले कोट के गुंडे जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था।